दैनिक
जम्मू परिवर्तन
जम्मू, शुक्रवार, 23 जुलाई 2021

# साहित्य अकादमी नयी दिल्ली की ओर से डोगरी भाषा में कवि गोष्ठी का आयोजन

जम्मू परिवर्तन ब्यूरो

जम्मू, 22 जुलाई 2021. साहित्य अकादमी नई दिल्ली की तरफ से वेब लाइन साहित्य श्रंखला के तहत डोगरी भाषा में एक कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें डोगरी भाषा के जाने-माने साहित्यकारों एवं कवियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की शुरुआत साहित्य अकादमी के सह सचिव डॉ सुरेश बाबू के स्वागती भाषण से हुई। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले वरिष्ठ कवियों में डोगरी भाषा के जाने-माने कवि टी आर मगोत्रा सागर , पूरन चंद शर्मा, डोगरा हरीश कैला, अमरजीत शर्मा हत्थलवी एवं यशपाल यश जी ने अपनी कविताओं का पाठ करके श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में, डॉ सुरेश बाबू ने साहित्य अकादमी की ओर से इस कवि गोष्ठी में भाग लेने वाले डोगरी के वरिष्ठ कवियों और साहित्यकारों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस करोना कॉल में जब पूरी दुनिया एक वैश्विक महामारी से जूझ रही है जिसकी वजह से साहित्य अकादमी को सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए अपने सभी कार्यक्रमों को वेब लाइन के जरिए करना पड़ रहा है। उन्होंने संतोष जताया के डोगरी परामर्श मंडल एवं डोगरी भाषा के कन्वीनर माननीय दर्शन दर्शी जी के सहयोग से साहित्य अकादमी डोगरी भाषा में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को करने मे सफल हुई है।

उन्होंने कहा कि यह बहुत ही खुशी की बात है कि साहित्य अकादमी के द्वारा वेब लाइन श्रंखला के तहत किए जाने वाले कार्यक्रमों मैं डोगरी भाषा के कार्यक्रमों की गिनती अच्छी खासी रही है जिसका श्रेय डोगरी भाषा के परामर्श मंडल एवं कन्वीनर दर्शन दर्शी जी को जाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शीघ्र ही संकट खत्म होने के बाद साहित्य अकादमी सिलसिलेवार अपने कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएगी तथा डोगरी भाषा के विभिन्न लेखकों एवं साहित्यकारों को सीधे तौर पर मंच पर आने के अवसर प्राप्त होंगे।

दैनिक सवेरा
2 » जम्मू, शुक्रवार, 23 जुलाई 2021
www.dainiksavera.com

# साहित्य अकादमी ने डोगरी कवि गोष्ठी का किया आयोजन

# डोगरी कविताओं से श्रोता मंत्रमुग्ध



[illegible]